आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 257 | उज्जैन, बुधवार 06 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

जीवन में उच्चतम मापदंड स्थापित करने वाला ही खिलाड़ी-मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण एवं 38वें नेशनल गेम्स के पदक विजेता हुए सम्मानित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खिलाड़ी वो है, जो जीवन में उच्चतम मापदंड स्थापित करें। अपने पराक्रम और साहस से खेल के साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफल हो। भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण भी इस नाते उत्कृष्ट खिलाड़ी थे। उनका जीवन खिलाड़ियों सहित हम सभी के लिए प्रेरक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र भवन में मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण और 38वें नेशनल गेम्स-2025 के पदक विजेताओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मध्यप्रदेश खेल के क्षेत्र में निरंतर उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण एवं 38वें नेशनल गेम्स 2025 के पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान समारोह में सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मानित और पुरस्कृत खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ समूह चित्र भी निकलवाया।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ियों ने पूरे देश ही नहीं बल्कि विश्व में प्रदेश का नाम रौशन किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रदेश के खिलाड़ी अगले नेशनल गेम्स में और अच्छा प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश को प्रथम स्थान पर लायेंगे। श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की खिलाड़ियों के प्रति सजगता है कि उन्होंने हर विधानसभा में एक खेल स्टेडियम बनाने की पहल की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समारोह में नेशनल गेम्स में प्रदेश को मिली ट्राफी भेंट की गई। समारोह में ओलंपिक संघ के अध्यक्ष श्री रमेश मेंदोला, सचिव दिग्विजय सिंह, प्रमुख सचिव मनीष सिंह और उप सचिव अजय श्रीवास्तव उपस्थित थे। संचालक खेल एवं युवा कल्याण राकेश गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। संयुक्त संचालक बी.एल. यादव ने आभार माना।

विक्रम पुरस्कार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप प्रत्येक खिलाड़ी को 2-2 लाख रूपये की राशि के चेक दिये गये।

शूटिंग खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर खरगौन, क्याकिंग-कैनोइंग (स्लॉलम) खिलाड़ी जान्हवी श्रीवास्तव भोपाल, तीरंदाजी खिलाड़ी रागिनी मार्को जबलपुर, कुश्ती खिलाड़ी शिवानी पवार छिंदवाड़ा, बॉक्सिंग खिलाड़ी श्रुति यादव भोपाल, जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य सागर, खोखो खिलाड़ी सचिन भार्गो देवास, हॉकी खिलाड़ी नीलू डाडिया मंदसौर आदि।

मुझसे ट्यूशन ले लो, क्योंकि अभी 30-40 साल..., राज्यसभा में विपक्षी सांसदों पर क्यों भड़के नड्डा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में CISF की तैनाती पर विपक्ष के हंगामे के बाद बीजेपी नेता जेपी नड्डा ने सबकी जमकर क्लास लगाई है। जेपी नड्डा ने विपक्षी सांसदों पर तंज कसते हुए कहा कि आपको मुझसे ट्यूशन ले लेना चाहिए।

राज्यसभा में विपक्ष पर पलटवार करते हुए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, मैंने इन लोगों से कई बार कहा, मैं भी 40 साल तक विपक्ष में रहा हूं। इन्हें मुझसे ट्यूशन क्लास ले लेनी चाहिए। मैं इन्हें सिखा दूंगा कि विपक्ष को कैसे बर्ताव करना चाहिए।

जेपी नड्डा ने कहा- अभी तो आपको विपक्ष में रहे 10 ही साल हुए हैं। अभी 30-40 साल रहना है मेरे से ट्यूशन ले लो। मैं बताऊंगा विपक्ष कैसे चलता है?

जेपी नड्डा ने क्या कहा- जेपी नड्डा ने कहा, अगर आप लाठी मारे और आपकी लाठी मेरी नाक पर लगे, तो जहां से मेरी नाक शुरू होती है, वहीं से आपका लोकतंत्र खत्म हो जाता है। यह महज सदन की कार्रवाई में बाधा नहीं डालते बल्कि अराजकता फैलाने की कोशिश करते हैं। जेपी नड्डा का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने सदन में प्रदर्शन के अधिकार की मांग की थी।

एक बार फिर पाकिस्तान की नींद हराम करेगी ब्रह्मोस मिसाइल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्या है सेना का नया प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद भारतीय सेना ने बड़े पैमाने पर ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल का ऑर्डर दिया है। भारत-रूस संयुक्त वेंचर के तहत यह मिसाइल बनाई जाएंगी।

समाचार एजेंसी एएनआई वरिष्ठ रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि जल्द ही इसे लेकर सेना की हाई लेवल बैठक हो सकती है, जिसमें इस डील को मंजूरी मिल सकती है।

4 दिन में घुटनों पर आया पाकिस्तान- इसके तहत भारतीय नौसेना और वायुसेना को बड़ी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइल मिल सकती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान में जमकर तबाही मचाई थी। पाकिस्तान के एअर बेस ध्वस्त करने से लेकर सेना की छावनियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारतीय सेना ने ब्रह्मोस का ही इस्तेमाल किया था। ब्रह्मोस की मार झेलने के बाद महद 4 दिन में पड़ोसी मुल्क ने हाथ खड़े करते हुए सीजफायर की गुहार लगाई थी। जानकारी के अनुसार, नौसेना अपनी वीर क्लास की पनडुब्बियों को ब्रह्मोस मिसाइलों से लेस करेगी।

ट्रंप को पसंद नहीं भारत-रूस की दोस्ती, तेल खरीद को लेकर दी ये बड़ी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार (04 अगस्त, 2025) को कहा कि वह रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत पर टैरिफ में भारी वृद्धि करेंगे।

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए अधिकांश तेल को खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच भी रहा है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि रूसी युद्ध मशीन द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं।

इसलिए करूंगा टैरिफ में वृद्धि- उन्होंने आगे कहा, इस वजह से, मैं भारत की ओर से अमेरिका को दिए जाने वाले टैरिफ में भारी वृद्धि करूंगा। दरअसल, रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने के चक्कर में ट्रंप ने भारत पर तीखा रुख अपना लिया है। वो आए दिन भारत को लेकर कोई न कोई टिप्पणी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने ब्रिक्स समूह में भारत की सक्रिय भूमिका और रूस से दोस्ती की आलोचना करते हुए कहा था, वे अपनी मरी हुई अर्थव्यवस्थाओं को साथ लेकर डूब सकते हैं।

अमेरिका ने बदली अपनी रणनीति- डोनाल्ड ट्रंप के जो बयान आ रहे हैं, अमेरिका की उस नीति के ठीक उलट हैं, जिसमें भारत को चीन के मुकाबले एशिया में एक रणनीतिक साझेदार के तौर पर देखता रहा है। अब लगता है कि ट्रंप प्रशासन इस रणनीति को बदल रहे हैं, जिससे कि रूस पर दबाव बनाया जा सके।

वो तय नहीं करेंगे कि कौन सच्चा भारतीय, राहुल गांधी के बचाव में प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का जवाब दिया है। उन्होंने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि वह सबसे ज्यादा सेना का सम्मान करते हैं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के बयान का गलत मतलब निकाला है। दरअसल बीते दिन सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को सेना पर दिए गए बयान के लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया था।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, राहुल गांधी ने हमेशा सैनिकों का आदर किया है। उनके दिल में उन सभी के लिए आदर है। वे नेता प्रतिपक्ष हैं और उनका कर्तव्य है सरकार से सवाल पूछना। वे अपना कर्तव्य निभाते हैं। सदन इतने दिनों से नहीं चल रहा है। वे सभी से बात करें। क्या ये इतने दुर्बल हो गए हैं कि सदन ही नहीं चल रहा है? इन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की तो अब इस मुद्दे पर भी चर्चा कीजिए।

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में अरुणाचल प्रदेश के यांग्सी क्षेत्र में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प के बाद भारतीय सेना पर कथित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से तीखे सवाल पूछे थे। जस्टिस दीपांकर दत्ता और ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गांधी की टिप्पणी पर असहमति जताते हुए कहा, उन्हें कैसे पता कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है और एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा।

मराठा साम्राज्य का हिस्सा जैसलमेर... NCERT की किताब पर विवाद

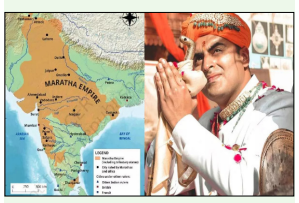

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की नई किताबें सियासी गलियारों का भी हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। NCERT के नए संस्करण में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। वही, चैतन्य राज सिंह ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में बने एक नक्शे पर आपत्ति दर्ज की है।

चैतन्य राज सिंह का कहना है कि इस पुस्तक में मौजूद मानचित्र में जैसलमेर को मराठा साम्राज्य का अंश बताया गया है, जो गलत है। चैतन्य राज सिंह ने एक्स प्लेटफॉर्म पर नक्शे की तस्वीर भी साझा की है।

तो क्या BJP में शामिल होंगी प्रियंका चतुर्वेदी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बीते दिन सोमवार (04 अगस्त, 2025) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी तस्वीरें उन्होंने आज मंगलवार (05 अगस्त, 2025) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर कीं। इसके बाद से लोग इस पर रिएक्शन देने लगे हैं और कहने लगे हैं कि वो जल्द ही बीजेपी में शामिल हो सकती हैं।

उन्होंने तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, ÷कल मैंने संसद में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मैं उनके बहुमूल्य समय और भारत के आकर्षक सांस्कृतिक इतिहास के विभिन्न पहलुओं पर उनकी अंतर्दृष्टि के लिए धन्यवाद करती हूं।

सोशल मीडिया पर लगाई जाने लगीं बीजेपी में शामिल होने की अटकलें- पीएम मोदी से मुलाकात की इन तस्वीरों को पोस्ट किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे हैं कि वो जल्द ही बीजेपी में शामिल होगीं। हालांकि प्रियंका चतुर्वेदी ने जिस तरह का रिएक्शन दिया है, उससे लगता नहीं है कि ऐसा कुछ होने वाला है। प्रियंका चतुर्वेदी ने दिया ये इशारा

राज्यसभा सांसद ने इसको लेकर कोई टिप्पणी तो नहीं की लेकिन एक पोस्ट को रीपोस्ट करके कुछ इशारा जरूर किया। दरअसल अमित शांडिल्य नाम के एक यूजर ने लिखा, ÷सिर्फ एक साथी सांसद के रूप में मिलना ही कुछ लोगों को चुभ गया है। यही लोग दूसरों को असहिष्णु कहते हैं।÷ इस लिखी हुई टिप्पणी को प्रियंका चतुर्वेदी ने रीपोस्ट किया है।

कौन हैं प्रियंका चतुर्वेदी- शिवसेना (यूबीटी) में शामिल होने से पहले वो कांग्रेस में हुआ करती थीं। उनकी पहचान एक तेज तर्रार प्रवक्ता के रूप में है, जो टीवी डिबेट में शामिल होती हैं। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हाल ही में सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेशों में भेजा था, जिसका वो हिस्सा थीं। उन्होंने 2019 में कांग्रेस को छोड़ शिवसेना (यूबीटी) का दामन थामा था। इसके बाद वो 2020 में राज्यसभा सांसद बनीं और अगले साल उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है।

फिर भूकंप के झटकों से कांपा रूस का कामचटका, क्या प्रकृति कर रही बड़ी तबाही की ओर इशारा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के सुदूर पूर्वी इलाके कामचटका तट पर मंगलवार को एक बार फिर धरती कांप उठी। सिस्मिक मॉनिटरिंग सिस्टम ने पुष्टि की कि 5.0 तीव्रता का भूकंप पेट्रोपावलोव्स्क-कमचट्स्की से लगभग 108 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में आया।

यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:57 बजे हुआ। भूकंप समुद्र में और मध्यम गहराई पर आया, जिसके चलते सतह पर नुकसान होने की आशंका कम है।

हालांकि, यह भूकंप उस 8.8 तीव्रता वाले भीषण भूकंप के कुछ ही दिन बाद आया, जिसने कामचटका प्रायद्वीप को हिलाकर रख दिया था। उस भूकंप ने पूरे प्रशांत क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी थी। इस बार का भूकंप भले ही कम तीव्रता का हो, लेकिन इसने भी इलाके में दहशत पैदा कर दी है।

पैसिफिक प्लेट की हलचल- कामचटका प्रायद्वीप पैसिफिक प्लेट के किनारे पर बसा है, इसलिए यह भूकंपों के लिए बेहद संवेदनशील है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस इलाके में भूकंपीय गतिविधियां आम हैं और बड़े झटकों के बाद छोटे-मोटे भूकंप या आफ्टरशॉक आना कोई नई बात नहीं। मगर इस बार 5.0 तीव्रता का झटका लोगों के लिए चेतावनी बनकर आया है, क्योंकि बड़े आफ्टरशॉक का खतरा अभी टला नहीं है।

स्थानीय लोग और प्रशासन इस स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। भूकंप के बाद किसी बड़े नुकसान की खबर तो नहीं आई, लेकिन सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। खासकर समुद्र तट के आसपास के इलाकों में लोगों को सावधान रहने को कहा गया है।

क्या कामचटका में सबकुछ सही सलामत है- इस भूकंप ने सैन्य विशेषज्ञों और विश्लेषकों को भी चिंता में डाल दिया है। कामचटका इलाके में कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने हैं और हाल के भूकंपों ने इन सुविधाओं पर असर की आशंका बढ़ा दी है। खासकर कुछ दिन पहले आए 8.8 तीव्रता वाले भूकंप के बाद यह नया झटका सवाल खड़े कर रहा है कि क्या इन ठिकानों को कोई नुकसान पहुंचा है।

फिलहाल, स्थानीय प्रशासन और भूकंप विशेषज्ञ स्थिति का जायजा ले रहे हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि वे घबराएं नहीं और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहें। कामचटका का यह इलाका भूकंपों का गढ़ रहा है और आने वाले दिनों में और झटके आने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

तेजी से जल रहा था तेल का डिपो, आग की लपटों के सामने वीडियो बना रही थी रूसी लड़कियां और फिर....

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर दो रूसी लड़कियों का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो दोनों एक जलते हुए तेल डिपो के सामने रैप करती नजर आ रही है। दरअसल, यह डिपो यूक्रेन द्वारा रूस पर किए गए हमले के दौरान तबाह हुआ था।

वीडियो वायरल होने के बाद इन दोनों लड़कियों की रूस में भारी आलोचन हुई और फिर दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया गया। मामला रूस के सोची में तेल डिपो का है। यहां यूक्रेन ने ड्रोन से हमला किया था, जिसके बाद इस डिपो में आग लग गई थी।

कौन हैं दोनों इन्फ्लुएंसर्स- रूसी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दाशा व्लादिमीरोवना लॉस्कुटोवा और कारिना एवगेन्वेना ओशुकोर्वा ने जलते हुए तेल डिपो के सामने वीडिया बनाया और दोनों लड़कियों ने रैप किया। वीडियो में दोनों लड़कियां काफी ज्यादा रिलेक्स नजर आ रही हैं, जबकि पीछे से काले धुएं का गुबार उठ रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बवाल मच गया और रूस के अधिकारियों ने इसे बेहद असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदाराना बताया। क्रेमलिन से जुड़ी इंटरनेट निगरानी संस्था सेफ इंटरनेट लीग की प्रमुख येकातेरिना मिजुलिना ने कहा, सोची में ड्रोन हमले के बीच युवा इस तरह का कंटेंट बना रहे हैं। क्या अब लोगों में खुद को भी बचाने की भावना नहीं रही?

कोर्ट में किया गया पेश- इसके बाद पुलिस और नेशनल गार्ड ने इन इन्फ्लुएंसर्स को तलाशने के लिए ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने कहा, इंटरनेट मॉनिटरिंग के दौरान एक वीडियो मिला जिसमें दो लड़कियां आग के सामने शूटिंग कर रही थीं।

तख्तापलट के 1 साल में कितना बदला बांग्लादेश? आंदोलन में शामिल रहे छात्रों का क्या है हाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंसक छात्र आंदोलन के चलते पिछले वर्ष आज ही के दिन यानी पांच अगस्त, 2024 को शेख हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार अपदस्थ हो गई थी। तब से हसीना भारत में ही हैं। इस घटना के एक वर्ष बाद भी बांग्लादेश राजनीतिक स्थिरता से बहुत दूर है।

हिंसा का दौर थमा नहीं है। हालात बदतर होते जा रहे हैं। हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार में न केवल राजनीतिक विरोधियों खासतौर पर अवामी नेताओं और अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा बल्कि कट्टरपंथियों को बढ़ावा भी दिया जा रहा है।

गत वर्ष जुलाई-अगस्त में छात्र आंदोलन और उसके बाद हिंसा की घटनाओं में अब तक सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में हसीना के खिलाफ मुकदमा शुरू किया गया है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इतने खून-खराबे के बावजूद एक ऐसे बांग्लादेश की संभावना बड़ी चुनौती बनी हुई है, जहां उदार लोकतंत्र, राजनीतिक सहिष्णुता और धार्मिक सद्भाव हो।

पाकिस्तान में पुलिस स्टेशन पर ड्रोन अटैक, आतंकियों ने आसमान से फेंका बम तो थाना छोड़ भागे अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर पुलिस स्टेशन पर आतंकियों ने हमला किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आतंकवादियों ने उत्तर-पश्चिम के बन्नू जिले में एक पुलिस थाने पर ड्रोन अटैक किया।

पुलिस के मुताबिक, आतंकवादियों ने सोमवार देर रात खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से लगे बन्नू जिले के हुवैद पुलिस स्टेशन पर एक क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल करके एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) गिराया। आईईडी पुलिस स्टेशन परिसर में आ गिरा, जिसके बाद वहां अफरा तफरी का माहौल बन गया और लोग इधर से उधर भागने लगे। हालांकि ये आईईडी ब्लास्ट नहीं हुआ।

घटना में कोई हताहत नहीं- पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर तैनात किया गया और बम को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे कोई हताहत या क्षति नहीं हुई। घटना के बाद, हमलावरों का पता लगाने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया। साथ ही, आस-पास की चौकियों और संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

बोइंग 787-9 और बी787-10 की हो जांच..., अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद FAA ने RAT पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी फेडरेल एविएशन प्रशासन ने बोइंग 787-9 और बी787-10 मॉडल का इस्तेमाल करने वालों को रैम एअर टर्बाइन की जांच के आदेश दिए हैं। FAA की रिपोर्ट के अनुसार, बोइंग के इन दोनों मॉडल में RAM बनाने के लिए गलत टाइटेनियम अलॉय मटेरियल का इस्तेमाल हुआ है, जो सुरक्षित नहीं हैं।

बता दें कि विस्तारा के 7 बोइंग 787-9 मॉडल अब एअर इंडिया के लिए उड़ान भरते हैं।

FAA ने क्या कहा- FAA का कहना है कि अगर इस समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इससे हाइड्रोलिक और इलेक्ट्रिक पावर के बैकअप पर असर पड़ेगा। बोइंग के इन दोनों मॉडल में लगे RAT को ग्रेड 1 या ग्रेड 2 टाईटेनिम से बनाया गया है, जिसकी डैमेज कंट्रोल करने की क्षमता बेहद कम है।

क्या होता है RAT- विमान में RAT का इस्तेमाल इमरजेंसी बैकअप पावर के रूप में किया जाता है। अगर विमान के दोनों इंजन फेल हो जाए, तो RAT पावर बैकअप देने का काम करता है, जिसकी मदद से इमरजेंसी लैंडिंग करवाई जा सकती है।

बोइंग के अनुसार, हमने बोइंग 787-9 और बोइंह 787-10 इस्तेमाल करने वाली सभी एअरलाइंस को फरवरी 2025 में निर्देश जारी किए थे। FAA के प्रस्ताव को भी हमारा पूरा समर्थन है।

अहमदाबाद में क्रैश हुआ यही मॉडल- 12 जून को हुए अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन AI171 भी क्रैश हो गया था। इसमें भी RAT मौजूद था। विस्तारा से वियल के पहले एअर इंडिया के पास बोइंग बी787-8 ड्रीमलाइनर थे, जिनमें से एक अहमदाबाद में क्रैश हो गया।

दोस्त भारत को मिली धमकी तो भड़का रूस, ट्रंप से कहा- ऐसा फिर मत करना...

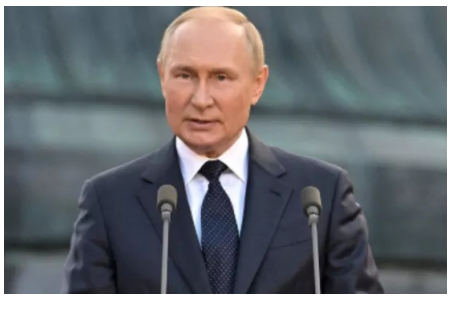

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच तेल की खरीद पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर भारी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। अब इस पर भारत और रूस दोनों देशों ने अमेरिका को कड़ा जवाब दिया है।

अमेरिका की धमकी पर रूस ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, दूसरे देशों को रूस से व्यापार करने से रोकना गैरकानूनी है।

रूस का अमेरिका को जवाब- उन्होंने यह भी कहा कि हर देश को अपने व्यापारिक फैसले खुद लेने का हक

किसी पर इस तरह का दबाव डालना धमकी मानी जाएगी। रूस का यह बयान ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने भारत से कहा था कि अगर उसने रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया तो अमेरिका भारी टैरिफ लगा देगा।

ट्रंप ने क्या कहा था- ट्रंप ने सोमवार रात को कहा था कि भारत सिर्फ रूसी तेल ही नहीं खरीद रहा, बल्कि उसे खुले बाजार में बेचकर मुनाफा भी कमा रहा है। उन्होंने कहा, ÷भारत को फर्क नहीं पड़ता कि रूस की सेना यूक्रेन में कितने लोगों को मार रही है। इसलिए मैं भारत पर भारी टैरिफ लगाने वाला हूं।

भारत का पलटवार- भारत सरकार ने ट्रंप की धमकी पर कड़ा बयान दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत को इस तरह से निशाना बनाना अनुचित और गलत है।

ट्रंप के खिलाफ पुतिन का मास्टरस्ट्रोक, 38 साल पुरानी डील तोड़ी; जानें अब क्या होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के बीच रूस ने एक और बड़ा फैसला लिया है। रूस ने छोटी और मध्यम दूरी की मिसाइलों की तैनाती पर रोक लगाई थी, जिसे अब रूस ने वापस ले लिया है। रूस ने यह रोक हटाने का फैसला किया है।

रूसी विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अब वह खुद को इन मिसाइलों की तैनाती पर लगी रोक से बंधा हुआ नहीं मानता है, क्योंकि इस रोक को बनाए रखने के लिए आवश्यक शर्तें समाप्त हो गई हैं।

ट्रंप के आदेश पर रूस का पलटवार

रूस ने यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद उठाया है, जिसमें उन्होंने रूस के तट पर अमेरिका की दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के लिए कहा था। ट्रंप के इस आदेश के बाद रूस और अमेरिका के बीच तनाव और भी ज्यादा बढ़ गया है।

38 साल पुराना समझौता तोड़ा- वैसे 1987 में रूस और अमेरिका के बीच समझौता हुआ था कि दोनों 500 से 5,500 किमी की रेंज वाली मिसाइल लांचर, ग्राउंड-लांच बैलिस्टिक मिसाइलों और क्रूज मिसाइलों की तैनाती नहीं करेंगे। मगर अमेरिका 2019 में इस समझौते से बाहर निकल गया था।

रूस ने क्या कहा- रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मामले पर उसकी बार-बार की चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया। हमने फैसला किया था कि हम ऐसी मिसाइलों की तैनाती तभी करेंगे जब अमेरिका कुछ ऐसा कदम उठाएगा। चूंकि अब अमेरिका ऐसा कर रहा

जाना था जापान...पहुंच गए जयपुर! अचानक कैसे भारत पहुंची यूक्रेन की फर्स्ट लेडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की पत्नी और यूक्रेन की फर्स्ट लेडी ओलेना जेलेंस्का एक स्पेशल फ्लाइट से जापान जा रही थीं। लेकिन, अचानक ही उनका विमान भारत के जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड किया, जिसके बाद यह खबर सुर्खियों में आ गई।

दरअसल, ओलेना जेलेंस्का का विमान फ्यूल भरवाने के लिए जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए रुका था। उनके साथ यूक्रेन के कई बड़े अधिकार भी इस यात्रा में शामिल थे।

भारत सरकार ने इस पूरे कार्यक्रम के लिए पहले से ही अनुमति दी थी और खास प्रोटोकॉल के तहत व्यवस्थाएं भी की गई थी।

कितने बजे लैंड हुआ विमान- इस वीआईपी विमान ने सुबह करीब 6.30 बजे जयपुर में लैंड किया। भारत के विदेश मंत्रालय ने पहले से ही 1 अगस्त को नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो को निर्देश दिए थे कि यूक्रेनी डेलिगेशन का सम्मान किया जाए और उनको जरूरी सुविधा मुहैया कराई जाए।

इस विमान में 23 हाई लेवल के अधिकारी मौजूद थे, जिसमें यूक्रेन की विदेश मामलों की मंत्री एंड्री सिबीहा, संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन के स्थायी प्रतिनिधि सर्गेई काइस्लित्स्या और आर्थिक मामलों के मंत्री ओलेक्सई सोबोलेव भी शामिल थे।

मिली थी इमिग्रेशन जांच से छूट- जैसे ही इनका विमान जयपुर लैंड किया तो सभी मेहमानों को वीआईपी लाउंज में ले जाया गया, जहां उन्हें नाश्ता दिया गया। इस दौरान दिल्ली स्थित यूक्रेनी दूतावास के अधिकारी भी जयपुर पहुंचकर उनसे मिले।

यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल को इमिग्रेशन जांच से छूट दी गई थी। इसलिए, उन्हें न तो चेकिंग से गुजरना पड़ा और न ही किसी औपचारिकता से। लगभग 8.15 बजे विमान ने फिर से उड़ान भरी और सभी मेहमान जापान के लिए रवाना हो गए।

डीआरडीओ का गेस्ट हाउस मैनेजर पाक को भेज रहा था खुफिया जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसलमेर के चांदन फील्ड फायरिंग रेंज के पास स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के गेस्ट हाउस के मैनेजर को सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के लिए जासूसी करने के आरोप में हिरासत में लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, महेंद्र सिंह नाम का यह शख्स वर्षों से भारत की सैन्य गतिविधियों की गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को पहुंचा रहा था। महेंद्र सिंह उत्तराखंड के अल्मोड़ा का रहने वाला है। उसपर आरोप है कि उसने भारत की रक्षा गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी एजेंटों को दी। सूत्रों का कहना है कि वह पिछले चार-पांच साल से इस गेस्ट हाउस में तैनात था और इस दौरान उसने कई गुप्त जानकारियां लीक कीं।

सैन्य क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां कर रहा था महेंद्र- DRDO का यह गेस्ट हाउस रक्षा वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का ठिकाना है, जो पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हथियारों और मिसाइलों के परीक्षण के लिए आते हैं। यहां ही महेंद्र काम करता था।

यह इलाका सेना और वायुसेना के सक्रिय सैन्य क्षेत्रों से घिरा हुआ है, जहां साल भर रक्षा से जुड़ी गतिविधियां होती रहती हैं।

ममता बनर्जी का एक्शन, कल्याण बनर्जी को हटा काकोली घोष को बनाया चीफ व्हिप; किसे मिली उपनेता की जिम्मेदारी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार (05 अगस्त, 2025) को बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तीदार को नया मुख्य सचेतक नियुक्त किया है। इसके अलावा अभिनेता से नेता बनीं शताब्दी रॉय को सदन में अपना उपनेता नियुक्त किया।

इससे पहले लोकसभा में टीएमसी के मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी थे। उन्होंने कृष्णानगर से सांसद और पार्टी सहयोगी महुआ मोइत्रा के साथ विवाद के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

टीएमसी ने की फेरबदल की घोषणा- पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के ऑफिशियल हैंडल पर कहा, कल्याण बनर्जी ने कल लोकसभा में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा अध्यक्ष को सौंप दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। उस भूमिका में उनके योगदान के लिए अध्यक्ष ने उन्हें धन्यवाद दिया है।

पार्टी ने आगे कहा, वरिष्ठ सांसदों के परामर्श से अध्यक्ष ने डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का नया मुख्य सचेतक और शताब्दी रॉय को तत्काल प्रभाव से लोकसभा में एआईटीसी का उपनेता नामित किया है।

अभिषेक बनर्जी चुने गए लोकसभा के नेता- इसके अलावा पार्टी ने सोमवार को राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में अपना नेता नियुक्त किया था।

ब्रेकअप, पैचअप और हत्या... राजस्थान में गर्लफ्रेंड की ब्लैकमेलिंग से परेशान कॉन्स्टेबल ने लेबर इंस्पेक्टर को मारी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में एक कांस्टेबल ने लेबर इंस्पेक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। आरोपी कांस्टेबल ने खुद पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी शख्स का नाम अजय कटारिया के रूप में हुई है, जो जयपुर के राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी में पुलिस कांस्टेबल है। वहीं, मृतक लेबर इंस्पेक्टर की पहचान शंकर बलई के रूप में हुई है।

महिला कांस्टेबल से हुआ ब्रेकअप- पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि शंकर बलई की पोस्टिंग जयपुर में थी। बलई ने कटारिया की मुलाकात एक महिला से करवाई थी। वो महिला भी जयपुर पुलिस में कांस्टेबल थी। हालांकि, कुछ समय बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया।

लेबर इंस्पेक्टर को मारने की रची साजिश- महिला कांस्टेबल ने कटारिया को धमकाना शुरू कर दिया। कथित तौर पर महिला बलई के कहने पर कटारिया को जेल भेजने की धमकी दे रही थी। ऐसे में जब कटारिया को यह बात पता चली तो उसने बलई को ही रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

मौके पर तोड़ा दम- जयपुर के पुलिस आलोक सिंघल के अनुसार, जब बलई मॉर्निंग वॉक से लौटा तो कटारिया ने उसपर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और बलई की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद कटारिया ने बंदूक के साथ थाने में सरेंडर कर दिया।

गोलियों से किया छलनी- ACP के अनुसार, कटारिया की बंदूक से कुल 10 गोलियां फायर हुई थीं। हालांकि, बलई के शरीर में कितनी गोलियां लगीं? पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही इसका खुलासा होगा। पुलिस ने कटारिया को गिरफ्तार करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

मैं देश से माफी मांगता हूं..., महुआ मोइत्रा के साथ जुबानी जंग के बीच कल्याण बनर्जी ने अब ये कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने अपनी ही पार्टी की सांसद महुआ मोइत्रा पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद बनर्जी ने मोइत्रा को देश से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि 2023 में उन्होंने मोइत्रा का समर्थन किया था, लेकिन अब उन्हें इस बात का पछतावा है।

टीएमसी सांसद ने मोइत्रा के हालिया बयानों को निशाना बनाते हुए कहा कि वह ÷मूलभूत शिष्टाचार से खाली हैं।

बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में लिखा, 2023 में जब संसद में मोइत्रा पर हमले हो रहे थे, मैंने उनका साथ दिया। यह मेरा विश्वास था, कोई मजबूरी नहीं। लेकिन आज उन्होंने मुझे महिला विरोधी कहकर जवाब दिया। मैं देश से माफी मांगता हूं कि मैंने ऐसी शख्सियत का बचाव किया जो कृतज्ञता से कोसों दूर है। लोग उनके शब्दों को देखें और खुद फैसला करें।

मोइत्रा और बनर्जी में तीखी तकरार- पिछले कुछ महीनों से बनर्जी और मोइत्रा के बीच तीखी बयानबाजी चल रही है। ताजा विवाद मोइत्रा के एक पॉडकास्ट में दिए बयान से शुरू हुआ।

जब उनसे बनर्जी के हमलों के बारे में पूछा गया, तो मोइत्रा ने कहा, ÷आप सुअर के साथ कुश्ती नहीं करते, क्योंकि सुअर को मजा आता है और आप गंदे हो जाते हैं। भारत में कुछ गहरे तौर पर महिला विरोधी, यौन रूप से कुंठित और भटके हुए लोग हैं और हर पार्टी में उनकी नुमाइंदगी है।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला, वाहनों में तोड़फोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला हो गया। कुछ लोगों ने उनके वाहन पर पत्थरबाजी की। यह घटना आज सुबह की है, जब सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में एक प्रदर्शन रैली की अगवाई कर रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उनके काफिले को निशाना बनाया।

सुवेंदु अधिकारी के प्रदर्शन के जवाब में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने भी इलाके में प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी।

गाड़ियों के कांच तोड़े- इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। कूच बिहार से हमले के बाद का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि पुलिस की गाड़ी का कांच चकनाचूर हो चुका है।

हमलावरों ने वाहनों में बुरी तरह से तोड़फोड़ की। साथ ही सुवेंदु अधिकारी को काले झंडे भी दिखाई गए। कई लोग हाथ में ङ्कस्ष्ट का झंडा लेकर नारेबाजी करते भी नजर आ रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने इस हमले के लिए ममता सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। बीजेपी का कहना है कि इस हमले की योजना पहले से ही बना ली गई थी।

TMC ने बीजेपी के इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। TMC का कहना है कि राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए बीजेपी ने खुद यह ड्रामा रचा है। TMC के अनुसार, बीजेपी में आंतरिक कलह चल रही है और यह हमला उसी का नतीजा है।

सुवेंदु ने किया एसपी ऑफिस का रुख- जानकारी के अनुसार, सुवेंदु अधिकारी अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कूच बिहार स्थित एसपी ऑफिस पहुंचे हैं, जहां वो हमले के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाएंगे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

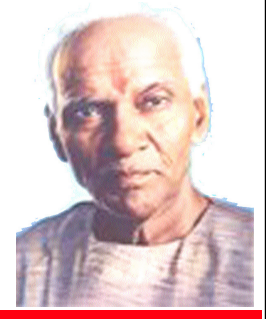

संपादकीय

संयुक्त परिवार एक मज़बूत सुख की छावं देने वाला वृक्ष है

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर, परिवार, संयुक्त परिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने, उनके फैसलों पर अमल करनें, आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे युवादेश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गोंको नजरअंदाज कर, एकला चलो रे!! वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथ में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ घरों को टूटने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फ़र्क़ के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है. मिसाल के लिए अगर बड़े बुज़ुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी ज़रूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस!!यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता-पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पताही नहीं चलता कि आख़िर वजह क्या है।इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिज़ाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेज़ी से और रातों रात हो रहा है. बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोज़गार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुज़ुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मज़बूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते,स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाज़ा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज़्यादा क़रीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है,हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुज़ुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुज़रते दौर के साथ ये स्थिति और मज़बूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मज़बूत होते हैं, वो आसानी से ख़त्म नहीं होते. लिहाज़ा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी।

के. एम. चांडी

के. एम. चांडी स्वतंत्रता सेनानी तथा गुजरात और मध्य प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल थे। उन्होंने राजनीति में 17 वर्ष की उम्र से ही हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। उस समय वे 12वीं कक्षा के छात्र थे। सन 1946 में जब के. एम. चांडी मीनाचिल तालुक कांग्रेस कमेटी के सचिव थे, तब उन्हें राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया, पर वे स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेते ही रहे। के. एम. चांडी ने पलई में सेंट थामस कॉलेज की स्थापना में योगदान दिया था। इस कॉलेज में उन्होंने 1950 में अध्यापन कार्य भी किया। 15 मई, 1982 को के. एम. चांडी पांडिचेरी के उप-राज्यपाल बने। वे 6 अगस्त, 1983 को गुजरात के राज्यपाल बनाये गए। बाद में मध्य प्रदेश के राज्यपाल का पदभार उन्होंने 19 मई, 1984 को ग्रहण किया।

जन्म तथा शिक्षा

के. एम. चांडी का जन्म 6 अगस्त, 1921 को केरल के कोट्टायम ज़िले के पलई नामक नगर में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा अपने गृह नगर में और महाविद्यालय की उच्च शिक्षा चंगनाचेरी और गवर्नमेंट आर्ट कॉलेज, त्रिवेन्द्रम में प्राप्त की थी।

राजनीतिक शुरुआत

के. एम. चांडी ने राजनीति में 17 वर्ष की उम्र से ही हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। उस समय वे चंगनाचेरी के सेंट वर्च मेन कॉलेज में इन्टमीडिएट के विद्यार्थी थे। उन्होंने त्रिवेन्द्रम में राज्य कांग्रेस के नेताओं का अभिनन्दन करने वाले विद्यार्थियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में हड़ताल का नेतृत्व किया था। हड़ताल के कारण कुछ और विद्यार्थियों के साथ उन्हें महाविद्यालय से निकाल दिया गया, किन्तु महाविद्यालय के समक्ष जन-सत्याग्रह होने पर उन्हें तथा अन्य विद्यार्थियों को कॉलेज में वापिस लिया गया।

प्रतिबंध तथा गिरफ़्तारी

त्रिवेन्द्रम में अध्ययन के दौरान उन्होंने प्रख्यात गांधीवादी जी. रामचन्द्रन के नेतृत्व में टेगौर अकादमी के गठन में प्रमुख भूमिका निभाई। विद्यार्थियों तथा युवकों के मध्य राष्ट्रवादी आन्दोलन को सक्रिय करने के कारण इस अकादमी को 1941 में प्रतिबंधित कर दिया। सन 1946 में जब के. एम. चांडी मीनाचिल तालुक कांग्रेस कमेटी के सचिव थे, तब उन्हें राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया, लेकिन वे स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेते ही रहे। उन्हें जुलाई, 1946 में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया। जब उच्च न्यायालय ने उनकी जमानत मंजूर कर दी तो उन्हें भारत रक्षा क़ानून के अन्तर्गत बन्दी बना लिया गया और आज़ादी मिलने के एक माह बाद सितम्बर, 1947 के अन्त में रिहा कर दिया गया।

विधायक

के. एम. चांडी 26 साल की उम्र में युवा तुर्क होने के नाते राज्य विधान सभा के लिये निर्विरोध निर्वाचित हुए। सन 1952 और 1954 में वे पुनः विधायक निर्वाचित हुए। वे विधान सभा में कांग्रेस पार्टी के मुख्य सचेतक थे। वे राज्य के प्रथम योजना मंडल और प्रथम राज्य न्यूनतम वेतन सलाहकार मंडल के भी सदस्य थे।

अध्यापन कार्य

के. एम. चांडी ने पलई में सेंट थामस कॉलेज की स्थापना में योगदान दिया। इस कॉलेज में उन्होंने 1950 में अध्यापन कराना शुरू किया और 1968 तक अंग्रेज़ी के स्नातकोत्तर प्राध्यापक नियुक्त रहे। 1972 में रबर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त होने पर उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया।

योगदान

केरल तथा कोचीन विश्वविद्यालयों की अनेक अकादमिक समितियों, सीनेट और महासभा के के. एम. चांडी सदस्य रहे। प्रोफेसर के. एम. चांडी ने अखिल केरल निजी महाविद्यालय शिक्षक संघ के गठन में प्रमुख भूमिका निभाई। उनकी अध्यक्षता के दौरान (1969-1972) निजी महाविद्यालयों के शिक्षकों के हित में दो समझौते हुए-

अशासकीय महाविद्यालय शिक्षकों को शासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों के बराबर वेतन मिलने लगा।

वेतन का भुगतान शासन द्वारा सीधे किया जाने लगा।

श्रमिक संगठनों का गठन

इन्टक के गठन के पूर्व उन्होंने अनेक श्रमिक संगठनों का गठन तथा नेतृत्व किया। श्रमिक संघों की गतिविधियों के समर्थन में उन्होंने तोझिलालली नामक साप्ताहिक का भी थोड़े समय के लिये सम्पादन तथा प्रकाशन किया था। के. एम. चांडी 1974-1976 तक इलायची मंडल के भी अध्यक्ष रहे। उनके कार्यकाल में इलायची प्लान्टेशन अनुसंधान प्रारम्भ हुआ था।

राज्यपाल

के. एम. चांडी 15 मई, 1982 से 5 अगस्त, 1983 तक पांडिचेरी के उप-राज्यपाल रहे। इसके बाद वे 6 अगस्त, 1983 से 25 अप्रैल, 1984 तक गुजरात के राज्यपाल रहे। मध्य प्रदेश के राज्यपाल का पदभार उन्होंने 15 मई, 1984 से 30 नवम्बर, 1987 तक सम्भाला था।

अन्य पदों पर कार्य

1953 से 1957 तक के. एम. चांडी ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, 1963 से 1967 तक केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और 1967 से 1972 तक उसके कोषाध्यक्ष रहे। वे 1948 से लागातार राज्य कांग्रेस कमेटी के सदस्य और 1963 से लगातार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहे। 1978 में राज्य कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का पद ग्रहण के लिये उन्होंने रबर बोर्ड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया और केरल में कांग्रेस संगठन को सुदृढ़ बनाने का चुनौतीपूर्ण कार्य स्वीकार किया, जबकि अनेक लोगों ने श्रीमती इंदिरा गाँधी का साथ छोड़ दिया था।

युवक कांग्रेस इकाई की स्थापना

के. एम. चांडी ने 1953 में प्रथम युवक कांग्रेस इकाई की स्थापना की और 1957 में युवक कांग्रेस के प्रथम अखिल भारतीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। केरल में बृहत सहकारी संस्थाओं की स्थापना और विकास का श्रेय मुख्य रूप से श्री चांडी को है। वे 1949 से बीस वर्ष तक मीनाचिल तालुका सहकारी संघ के अध्यक्ष रहे। उन्होंने मीनाचिल सहकारी लैंड मार्टगेज बैंक की स्थापना की।

रबर उद्योग के लिए योजनाएँ

1966 में के. एम. चांडी ने भारतीय रबर उत्पादक संघ की स्थापना की। वे इसके अध्यक्ष भी रहे। 1958 में वे रबर बोर्ड के सदस्य बने। 1972 में भारत सरकार ने उन्हें रबर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया। उनके कार्यकाल में रबर प्लान्टेशन और रबर उद्योग के विकास को गति मिली। भारत में रबर के अनुसंधान के क्षेत्र में उन्होंने महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरूआत की थी। रबर के लिये विश्व बैंक योजना तैयार करने तथा उसे लागू करवाने का श्रेय भी उन्हें प्राप्त है। कोचीन विश्वविद्यालय में रबर टेक्नोलॉजी में बी.टेक. पाठ्यक्रम उनकी योजना के अनुसार प्रारम्भ किया गया था। के. एम. चांडी की पहल पर ही भारत ने प्राकृतिक रबर उत्पादक देशों के संघ की सदस्यता ग्रहण की और अंतर्राष्ट्रीय रबर समुदाय में उल्लेखनीय भूमिका निभानी शुरू की।

विदेश यात्रा

रबर अध्ययन, रबर उत्पादन, रबर अनुसंधान आदि के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिये उन्होंने लन्दन, कुआलालमपुर, बैंकांक, सिंगापुर आदि की यात्रा की। रबर के सम्बन्ध में विश्व बैंक परियोजना पर चर्चा करने के लिये के. एम. चांडी वाशिंगटन भी गये।

कृषक समस्याओं के लिए संघर्ष

एक कृषक परिवार के होने के कारण के. एम. चांडी कृषकों की समस्याओं में गहरी रुचि लेते रहे और उनके निदान के लिये संघर्ष करते रहे। शासन ने 1962 में उन्हें सरकारी जंगल भूमि में बसने वालों की समस्याओं का परीक्षण करने वाली समिति का सदस्य नियुक्त किया था। उनके प्रतिवेदन की सभी वर्गों ने सराहना की थी।

भारतीय इकोनॉमी के लिए डेलॉयट इंडिया का बड़ा अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कंसल्टिंग फर्म डेलॉयट इंडिया ने मंगलवार को कहा कि मजबूत घरेलू बुनियाद और बढ़ते वैश्विक अवसरों के साथ चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.4 से 6.7 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि, इसने यह भी कहा कि भारत को अपने व्यापार जोखिम पर नजर रखनी चाहिए और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं से उत्पन्न नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। डेलॉयट इंडिया के अनुसार, रणनीतिक व्यापार बातचीत आय, रोजगार, मार्केट एक्सेस और घरेलू मांग को बढ़ाने वाले शक्तिशाली फैक्टर्स के रूप में काम करेंगी।

इन वार्ताओं में ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते के अलावा अमेरिका के साथ जारी बातचीत और वर्ष के अंत तक यूरोपीय संघ के साथ बहुप्रतीक्षित समझौता शामिल हैं। भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में 6.5 प्रतिशत रही थी।

6.4 से 6.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान- डेलॉयट ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.4 से 6.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान है। यह अनुमान मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई और घरेलू नीति व वैश्विक व्यापार कूटनीति में साहसिक कदम पर आधारित है।

भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत- डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, ''भारत की आर्थिक वृद्धि उतार-चढ़ाव वाले वैश्विक परिदृश्य में भी अलग ही नजर आती है। हमारी गति मजबूत पूंजी बाजार, गतिशील उपभोक्ता आधार और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल के जरिये संचालित है।''

कंसल्टिंग कंपनी ने कहा कि भारत अपनी वैश्विक व्यापार उपस्थिति का विस्तार करने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहा है। हाल के व्यापार समझौते रणनीतिक लाभ प्रदान करते हैं।

10 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक का 2 पर 1 शेयर बोनस देने का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 रुपये से कम की कीमत वाले स्टॉक Regis Industries Ltd ने बोनस शेयर का ऐलान किया है। कंपनी की तरफ से इसकी जानकारी एक्सचेंज को 4 अगस्त को दी गई है। बता दें, कंपनी ने 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस देने का फैसला किया है।

एक्सचेंज को दी जानकारी में Regis Industries Ltd ने बताया है कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले 2 शेयर पर योग्य निवेशकों को एक शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 12 सितंबर 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयर एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। बता दें, कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है।

Regis Industries Ltd के शेयरों का बंटवारा जनवरी 2025 में हुआ था। तब कंपनी ने अपने शेयरों को 10 हिस्सों में बांटा था। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो गई थी।

शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 3.71 प्रतिशत की गिरावट के बाद 9.35 रुपये पर था। बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं, बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों का भाव 37 प्रतिशत गिरा है।

ट्रंप टैरिफ और तेल की लड़ाई के बीच जानें कौन है कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक? किस नंबर पर भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ ने इस समय पूरी दुनिया में तहलका मचा रखा है। टैरिफ की धमकी के बीच कच्चे तेल की चर्चा ने तूल पकड़ ली है। यूं कह लीजिए टैरिफ वाली कहानी में नया ट्विस्ट आ गया है। इस ट्विस्ट के पीछे भारत और चीन है। दरअसल, ट्रंप भारत और चीन को रूस से तेल न खरीदने की धमकी दे रहे हैं। वो चाह रहे हैं कि ये दोनों देश अमेरिका और उसके सहयोगियों से ही तेल का आयात करें। लेकिन एशिया की दोनों महाशक्तियों ने साफ कर दिया कि वो राष्ट्र की ऊर्जा प्राथमिकताओं को पूरा करने से पीछे नहीं हटेंगे। और दोनों देश लगातार रूस से तेल खरीद रहे हैं।

भारत और चीन के कदम से अमेरिका सहम गया है। राष्ट्रपति ट्रंप और अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं। कह रहे हैं कि अगर तेल खरीदना बंद नहीं किया तो और पेनल्टी लगाएंगे। अब टैरिफ वाली लड़ाई पूरी तरह से तेल पर केंद्रित हो चुकी है। कच्चे तेल का बाजार इस समय इसके केंद्र में है। इस चर्चा के बीच आइए जानते हैं कि कौन कच्चे तेल का सबसे ज्यादा उत्पादन करता है और कौन इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता है। और इसमें भारत का क्या नंबर है।

कौन है कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक- ब्रिटिश पेट्रोलियम और U.S. Energy Information Administration के डेटा के आधार पर हमने विश्व के टॉप ऑयल प्रोड्यूसर की टेबल बनाई है। इस टेबल में भारत 20वें नंबर पर है। अमेरिका इसमें नंबर वन पर है।

जियो ब्लैकरॉक लाया 5 नए इंडेक्स फंड, किसमें क्या मिलेंगे फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक के 50-50 जॉइंट वेंचर से जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपने पहले 5 इंडेक्स फंड की सीरीज को एक न्यू फंड ऑफर के माध्यम से लॉन्च किया है। यह ह्स्नह्र 5 अगस्त 2025 से शुरू होकर 12 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा।

यह कदम भारतीय निवेशकों को कम लागत, भरोसेमंद और डिजिटल-फ्रेंडली निवेश की दिशा में एक जरूरी कदम है।

इस मौके पर जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट के स्ह्व और ष्टश्वह्र सिड स्वामीनाथन ने कहा, ÷हमारा उद्देश्य हर प्रकार के निवेशकों की जरूरतों को पूरा करना है। चाहे वे पहली बार निवेश कर रहे हों या अनुभवी निवेशक हों। यह ह्स्नह्र पूरे भारत को हमारे डिजिटल-फर्स्ट और डेटा-आधारित निवेश अनुभव का लाभ उठाने का मौका देगा, ताकि निवेशक इंडेक्स फंड के फायदों का पूरा लाभ ले सकें।

हम निवेश को वास्तव में जन-जन तक पहुँचाने के लिए कई तरह के शैक्षणिक कार्यक्रम भी शुरू कर रहे हैं, जिनसे नए और अनुभवी दोनों प्रकार के निवेशकों को उपयोगी जानकारी मिलेगी।

गौतम अदाणी ने चौंकाया! छोड़ दिया 3 लाख करोड़ की सबसे बड़ी कंपनी में अहम पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्केट कैप के लिहाज से अदाणी समूह की सबसे बड़ी कंपनी अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड ने अपने तिमाही नतीजे जारी कर दिए हैं और इसके साथ ही कंपनी ने एक बड़ा ऐलान किया है। बोर्ड की ओर से कहा गया कि कंपनी के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन गौतम अडानी अब नॉन-एक्जीक्यूटिव चेयरमैन होंगे। इसका मतलब है कि अदाणी ग्रुप के चेयरमैन कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय पद से हट जाएंगे। यह कंपनी मार्केट कैप के लिहाज से अदाणी समूह की सबसे बड़ी कंपनी है, क्योंकि इसका कुल बाजार पूंजीकरण 2,93,995 करोड़ रुपये है।

कैसे रहे क्ता रिजल्ट- उधर, अदाणी ग्रुप की इस कैश जनरेटर कंपनी का क्ता में कुल मुनाफा 3115 करोड़ रहा। कंपनी को दी एक्सचेंज फाइलिंग में अदाणी पोर्ट्स ने बताया कि 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 6त्न बढ़कर 3,315 करोड़ रुपये हो गया। मुनाफे में यह वृद्धि कार्गो वॉल्यूम में बढ़ोतरी के कारण हुई है। इससे पहले पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी को 3,113 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

अदाणी समूह की इस कंपनी का ऑपरेशन से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 31त्न बढ़कर 9,126 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में यह 6,956 करोड़ रुपये था।

गौतम अदाणी ने क्यों छोड़ा पद- अदाणी पोर्ट्स की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, ÷नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर बोर्ड ने 5 अगस्त, 2025 से गौतम एस. अदाणी को कार्यकारी अध्यक्ष से गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पुनः नामित करने को मंजूरी दे दी है और इसके परिणामस्वरूप वह कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मी नहीं रहेंगे।

तिमाही नतीजों के बाद अदाणी पोर्ट्स के शेयर 5 अगस्त को दो फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं।

सिर्फ खरीदकर या माइनिंग ही नहीं, इन तरीकों से भी Cryptocurrency भरेगी आपकी जेब

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुत कम लोग जानते हैं कि क्रिप्टोकरेंसी से निवेश के अलावा और भी कई तरीकों से कमाई की जा सकती है। ये तरीके आपकी पैसिव इनकम का अच्छा रास्ता हो सकते हैं। इसमें कॉइन्स को दांव पर लगाने से लेकर यील्ड फार्मिंग में हिस्सा लेने और बिटकॉइन बैक क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड अर्जित करने तक, क्रिप्टो में ट्रेडिंग किए बिना रिटर्न पाने के कई तरीके हैं।

यहां हम आपको क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेड के अलावा अन्य रास्तों से कमाई के रास्ते बताएंगे। चाहे आप एक अनुभवी निवेशक हों या क्रिप्टो में रुचि रखने वाले शुरुआती निवेशक, आपको अपना सफर शुरू करने के लिए उपयोगी जानकारी मिलेगी।

स्टेकिंग में ट्रांजेक्शन वेलिडेशन और रिवार्ड हासिल करने के लिए अपनी क्रिप्टोकरेंसी को ब्लॉकचेन नेटवर्क में लॉक किया जाता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष वितरण में मची भगदड़, दो महिलाओं की मौत

सीहोर। कुबेरेश्वर धाम में इस साल 6 अगस्त को होने वाले विशाल कांवड़ यात्रा और रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ पड़ी है। देश के कोने-कोने से भक्त दो दिन पहले से ही कुबेरेश्वर धाम पहुंच रहे हैं, जिससे मंदिर परिसर और आसपास के इलाके श्रद्धालुओं से खचाखच भर गए हैं।

भक्तों की लगातार आवाजाही के कारण इंदौर-भोपाल हाईवे पर भीषण ट्रैफिक जाम के हालात बन गए हैं। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की टीम लगातार प्रयासरत है, लेकिन भारी भीड़ के कारण वाहन जगह-जगह फंसे नजर आ रहे हैं। हाईवे पर कई किलोमीटर लंबी गाड़ियों की कतार देखी जा रही है, जिससे यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कुबेरेश्वर धाम में सोमवार को आयोजित रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया। भारी भीड़ के दबाव और अव्यवस्था के चलते दो महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इस घटना के बाद श्रद्धालुओं में डर और नाराजगी का माहौल है।

घटना की पुष्टि करते हुए एडिशनल एसपी सुनीता रावत ने बताया कि स्थिति पर पूरी तरह से नजर रखी जा रही है और भीड़ को नियंत्रित करने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की अपील की है।

प्रशासन की ओर से पुलिस बल, होमगार्ड, मेडिकल टीम और वॉलंटियर्स को मौके पर तैनात किया गया है, लेकिन अनुमान से कहीं ज्यादा भीड़ पहुंचने के कारण व्यवस्था पर दबाव बना हुआ है। कुबेरेश्वर धाम प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपनी यात्रा को नियोजित करें और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें।

बताया जा रहा है कि इस बार रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम में लाखों भक्तों के पहुंचने का अनुमान है, इसलिए प्रशासन को पहले से ही चेतावनी दी गई थी कि भीड़ नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए जाएं।

युवक ने कोर्ट परिसर में काटी अपनी कलाई

दमोह । जिला न्यायालय परिसर में मंगलवार दोपहर एक युवक ने आत्मदाह का प्रयास कर सनसनी फैला दी। युवक का आरोप है कि उसके भाई को एक फर्जी लोन घोटाले में बेवजह फंसाया गया है, जिससे नाराज होकर उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

घटना दमोह जिला अदालत परिसर की है, जहां होशंगाबाद जिले के कालका नगर निवासी जतिन चोरे नामक युवक ने पहले अपनी कलाई ब्लेड से काटी, फिर सिर पर ज्वलनशील केमिकल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और लोगों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को तुरंत रोक लिया और उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया।घायल अवस्था में जतिन ने बताया कि दमोह के हिंडोरिया एसबीआई शाखा में हुए फर्जी लोन केस में उसके भाई का नाम भी आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि उसका भाई कभी उस ब्रांच गया ही नहीं। जतिन के मुताबिक, असली आरोपी भाग चुके हैं और उनके स्थान पर पुलिस ने उसके निर्दोष भाई को पकड़ लिया है।

कोतवाली टीआई मनीष कुमार ने बताया कि अस्पताल में युवक से पूछताछ की गई, लेकिन वह घबराहट में कुछ स्पष्ट नहीं बता सका। हालांकि, उसने आरोप जरूर लगाया कि पुलिस ने उसके भाई को गलत तरीके से फंसाया है।

इस मामले को लेकर हिंडोरिया पुलिस का भी बयान सामने आया है। उपनिरीक्षक धर्मेंद्र गुर्जर ने बताया कि वर्ष 2021 में एसबीआई हिंडोरिया ब्रांच में फर्जी तरीके से रेलवे कर्मचारियों की नकली सैलरी स्लिप बनाकर चार लोन लिए गए थे, जिनकी रकम करीब 15-15 लाख रुपए थी। इस घोटाले में निखिल चोरे, दीपक जैन, राजा खान सहित सात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इनमें से छह आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक अभी फरार है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी निखिल चोरे और दीपक जैन एक साइबर कैफे चलाते थे, जहां से फर्जी दस्तावेज तैयार कर लोन पास करवाया गया। मामले में एसबीआई कर्मचारी नेगी की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है और उसे भी आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई अधिकारी बताकर किया डिजिटल अरेस्ट, 20.81 लाख ठगे, छह गिरफ्तार

देवास। डिजिटल अरेस्ट के अपराधों को करने वाले संगठित गिरोह को दबोचने में जिले की सतवास थाना पुलिस को सफलता मिली है। इस गिरोह के सदस्यों ने सतवास के एक व्यक्ति को पुलिस, सीबीआई का अधिकारी बताकर मनी लांड्रिंग का केस चलने की बात करके डिजिटल अरेस्ट कर लिया था और 20.81 लाख रुपए जमा करवा लिए थे। मामले में पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है जो दिल्ली, महाराष्ट्र, इंदौर, नीमच आदि क्षेत्रों के रहने वाले हैं। आरोपितों में से एक ने खुद को सीबीआई चीफ आकाश कुलहरि बताकर वीडियो कॉल पर बात की थी।

खुद को कोलाबा थाने का अधिकारी बताया

देवास पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने बताया सतवास निवासी प्रमोद गौर के पास 24 जून 2025 को एक फोन कॉल आया जिसमें सामने वाले ने कोलाबा पुलिस स्टेशन मुंबई का अधिकारी स्वयं को बताया और कहा नरेश गोयल के साथ मनी लांड्रिंग केस में आप शामिल हैं, केनरा बैंक मुंबई में आपका खाता है जिसकी सीबीआई जांच चल रही है जिसके सुप्रीम कोर्ट के नोटिस आपको सोशल मीडिया पर भेजे हैं।सीबीआई के नाम पर डिजिटल अरेस्ट

इसके बाद प्रमोद को वीडियो कॉल किया गया और सामने वाले ने स्वयं को सीबीआई चीफ आकाश कुलहरि बताया और पुलिस, सीबीआई के नाम पर डिजिटल अरेस्ट करके कहा आपके खाते में जितनी भी राशि है, सुप्रीम कोर्ट उसका वेरिफिकेशन कराना चाहती है। इसके बाद फरियादी से 20 लाख 81 हजार रुपए अलग-अलग खातों में आरटीजीएस के माध्यम से डलवाए गए।

इन आरोपितों को दबोचा पुलिस ने

पुलिस ने सोमेश्वर उर्फ सोम उर्फ सेमीनाम उर्फ सैम, संजय उर्फ संजू उर्फ वैम्पायर, गौरव उर्फ रितिक उर्फ लाला उर्फ गुप्ताजी, हर्ष उर्फ पीटर बास प्रजापति, ऋषिकेश पंवार, सुनील उर्फ सागर जाधव को गिरफ्तार किया है। आरोपित संजय उर्फ संजू पर पहले से हत्या व अन्य धाराओं के मामला दर्ज हैं।

कमीशन का लालच देकर अकाउंट लिए किराए पर

पुलिस के अनुसार आरोपितों ने सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर अच्छा कमीशन देने का लालच देकर लोगों के बैंक खाते किराए पर लिए थे, इन खातों में ही धोखाधड़ी की राशि जमा करवाई जाती थी। बैंक खातों के उपयोग के दौरान आरोपी एक शहर से दूसरे शहर में जाने में हवाई यात्रा करते थे। आरोपियों के द्वारा देवास के अलावा मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों में इस तरह ठगी की 37 वारदातें की जा चुकी हैं।

गांव के मरीजों को अब घर बैठे मिलेगा ऑनलाइन इलाज

भोपाल। भोपाल से ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (प्रशासन) जगदीश राजेश ने सोमवार को भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में तीन नई पहलों की शुरुआत की। इसमें सबसे अहम रही ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा की शुरुआत, जिससे दमोह, सिंगरौली और मंडला के मरीजों को अब विशेषज्ञ डॉक्टरों से सीधे ऑनलाइन परामर्श मिल सकेगा।

क्या है ई-संजीवनी सेवा और कैसे मिलेगा फायदा?

ई-संजीवनी सेवा एक ऑनलाइन टेलीपरामर्श सुविधा है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से शुरू की गई है। इस सेवा के तहत अब इन जिलों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत डॉक्टर, भोपाल स्थित क्नत्रष्ट के विशेषज्ञों से सीधे सलाह ले सकेंगे।विशेषज्ञ डॉक्टरों में शामिल होंगे

जनरल मेडिसिन, स्त्री रोग, गैस्ट्रो मेडिसिन, क्रिटिकल केयर

इससे मरीजों को भोपाल या जिला अस्पताल तक बार-बार आने की जरूरत नहीं होगी, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

ग्रामीण मरीजों के लिए क्यों है ये सेवा उपयोगी?

क्नत्रष्ट की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव के अनुसार, यह सेवा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहद लाभकारी होगी। इससे दूरदराज के मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा और इलाज की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। साथ ही, यह सेवा स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ, सस्ती और तेज बनाएगी।

नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग और हिंदी टाइपिंग का शुभारंभ

उपमहानिदेशक ने में दो अन्य पहलों का भी उद्घाटन किया

1. ओरिएंटेशन प्रोग्राम

यह प्रशिक्षण के नवनियुक्त तकनीकी कर्मचारियों के लिए है।

इसमें प्रशासनिक कौशल, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और नेतृत्व क्षमता जैसे विषयों पर फोकस किया गया।

2. हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण

4 से 8 अगस्त तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में 15 कर्मचारियों को राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी प्रशासनिक कार्यों में दक्ष बनाया जाएगा।

समयसीमा में आवेदकों के प्रकरण निराकृत नहीं करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई

लोक सेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत 13 अधिकारी-कर्मचारियों पर लगायी गई पेनल्टी

इंदौर। इंदौर जिले में लोक सेवा ग्यारंटी अधिनियम सहित समयसीमा से जुड़े अन्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। लोक सेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत लापरवाही पाये जाने तथा समयसीमा में आवेदकों के आवेदन निराकृत नहीं करने वाले 13 नायब तहसीलदार/ तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों पर पेनल्टी लगायी गयी है। इनमें 9 नायब तहसीलदार/तहसीलदार तथा 4 ग्राम पंचायतों के सचिव शामिल है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देश दिये है कि वे लोक सेवा ग्यारंटी अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन करें। आवेदकों की समस्याएं निर्धारित समयसीमा में निराकृत की जाये।

कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण एवं अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, अभियान तथा शासन के निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर. पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, श्री रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत कड़ी कार्यवाही- बैठक में लोक सेवा प्रबंधन गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण न करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 4 पंचायत सचिवों, 9 नायब तहसीलदारों एवं तहसीलदारों पर पेनल्टी अधिरोपित की गई। यह पेनल्टी नायब तहसीलदार सांवेर पर 14 प्रकरणों में, नायब तहसीलदार खुड़ेल पर 4 प्रकरणों में तथा नायब तहसीलदार मानपुर, मल्हारगंज और गौतमपुरा पर तीन-तीन प्रकरणों में, नायब तहसीलदार बड़ा बांगडदा पर दो प्रकरण में लगायी गई है। इसी तरह तहसीलदार खुड़ेल, कनाड़िया और नायब तहसीलदार बेटमा पर एक-एक प्रकरण में पेनल्टी लगायी है। इसी प्रकार जिले की सैंडल, कालीबिलौद, बाई और बरलई जागीर ग्राम पंचायत के सचिवों पर एक-एक प्रकरण पर पेनल्टी लगायी गई है। इन अधिकारी-कर्मचारियों से प्रति प्रकरण 250 रुपये के मान से पेनल्टी की वसूली की जायेगी।

जिले में राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण का सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ विशेष राजस्व महा अभियान

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिये इंदौर जिले में राजस्व के विशेष महा अभियान का प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन हुआ। अभियान से किसानों और भू-स्वामियों को बड़ी राहत मिली है। अभियान के तहत जिले में 31 मई, 2025 तक लंबित शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया गया है। जिले में उक्त अवधि के लंबित राजस्व प्रकरण निराकृत नहीं होने की सूचना देने वाले आवेदकों को 5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। ज्ञात रहे कि इन्दौर जिले के नागरिकों को राजस्व संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले में विगत 16 जून से 31 जुलाई 2025 का विशेष राजस्व अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में 31 मई 2025 तक आरसीएमएस में दर्ज प्रकरण तथा इस अवधि तक लोक सेवा केन्द्र में प्राप्त नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, बटांकन, रास्ता विवाद, कब्जा विवाद, अभिलेख दुरूस्ती के शत-प्रतिशत आवेदन पत्रों का निराकरण 31 जुलाई 2025 तक किया गया।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि अभियान की समाप्ति पश्चात 31 जुलाई 2025 के बाद जिस भी आवेदक द्वारा 31 मई 2025 के पूर्व के लंबित प्रकरणों की सूचना लोक सेवा केन्द्र की पावती अथवा आरसीएमएस के प्रकरण क्रमांक के साथ कलेक्टर कार्यालय इन्दौर के काल सेंटर जिसका फोन नंबर 0755-2840621 पर दी जाती है अथवा कक्ष क्रमांक जी-12 ए में प्रदान की जाती है, उन्हें पुरस्कार स्वरूप 5 हजार रुपये की राशि प्रदाय की जायेगी।

सड़क सुरक्षा समिति के अनुमोदन के बगैर स्पीड ब्रेकर बनाये जाने पर संबंधित एजेंसी और इंजीनियर पर होगी कार्रवाई

इंदौर। इंदौर जिले में सड़क सुरक्षा समिति के अनुमोदन के बगैर स्पीड ब्रेकर बनाये जाने पर संबंधित एजेंसी और इंजीनियर के विरूद्ध सख्त कार्रवाई होगी। उनसे निर्माण की राशि वसूल करते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। इस संबंध में कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा आदेश जारी कर दिये गए है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि जिले में सड़क सुरक्षा समिति के अनुमोदन के बगैर कहीं भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाये जाये। ज्ञात रहे कि सड़क सुरक्षा समिति की गत 26 जुलाई 2025 को हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया था। बैठक में पुलिस प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराया गया था, कि शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों पर सड़क सुरक्षा समिति के अनुमोदन के बिना विभिन्न विभागों के इंजीनियर द्वारा बगैर मापदण्ड, बगैर गुणवत्ता के स्पीड ब्रेकर बनाये जा रहे हैं। इससे दुर्घटना की आशंका रहती है। इसको देखते हुए निर्णय लिया गया कि इस तरह की पुनरावृति होने पर संबंधित विभाग के इंजीनियर/एजेन्सी को आर्थिक अनियमितता के दायरे में लेते हुए निर्माण एजेन्सी/ इंजीनियर से निर्माण राशि की वसूली की जाये एवं इंजीनियर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायें।

इंदौर में चलेगा हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान

राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत होंगे विभिन्न कार्यक्रम- स्वच्छता के संबंध में भी लायी जायेगी जागरूकता

इंदौर। केन्द्र और राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले में भी आगामी 15 अगस्त तक तीन चरणों में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता = स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई बैठक में इस अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर. पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, श्री रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता अभियान की व्यापक समीक्षा- बैठक में भारत सरकार एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार आगामी हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता अभियान की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। यह अभियान जिले में तीन चरणों में संचालित किया जाएगा, जिसमें जनभागीदारी सुनिश्चित करने, राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान जागृत करने और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि इस अभियान का प्रत्येक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में प्रभावी क्रियान्वयन हो। स्वच्छता के साथ-साथ तिरंगा यात्रा, नुक्कड़ नाटक, रैलियों, स्कूलों में प्रतियोगिताएं और जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए।

इंदौर में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह महेश गार्ड लाइन स्थित आरएपीटीसी मैदान में होगा

इन्दौर। इंदौर जिले में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूर्ण गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाया जायेगा। इस दिन मुख्य समारोह महेश गार्ड लाइन स्थित आरएपीटीसी मैदान में आयोजित होगा। समारोह की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आयोजन की सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां समारोह की तैयारियों की समीक्षा ली। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर और श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने 15 अगस्त को जिले में स्वंतत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महेश गार्ड लाइन में आयोजित होने वाले समारोह के लिये विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। इस अवसर पर बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस का आयोजन राज्य शासन द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार होगा।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान विशेष

इंदौर। केन्द्र और राज्य शासन द्वारा ÷हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता= स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग÷ अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान देशवासियों को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए प्रेरित करने, देशभक्ति की भावना जागृत करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता लाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। अभियान के चलते ऐसे देशभक्त भी सामने आ रहें हैं, जो राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति अनूठे प्रेम और जज्बे की मिसाल बने हैं।

इन्हीं में से एक इंदौर सम्भाग के खरगोन शहर के श्री पारस पटवा भी है। वे ऐसे व्यक्ति है जो तिरंगे की शान के लिए पिछले 8 वर्षों से सतत लगे हुए हैं। बस स्टैंड स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. गजानन्द सोनी की प्रतिमा पर तिरंगा लहराना वह कभी नहीं भूलते है। सोमवार को वे अहमदाबाद में अपने स्वास्थ्य उपचार के लिए निकले तो भी उनके मन में इस निरंतरता को बरकरार रखने का जज्बा बरकरार रहा। ध्वज लगाने के लिए उन्होंने अपनी शॉप के कर्मी को जिम्मेदारी सौंपी। उनकी इस इच्छा को सोमवार को 42 वर्षीय इशाक खान ने पूरी की। पारस यह कार्य अपने दिल से तिरंगे के प्रति सम्मान के लिए करते है न कि किसी लोभ से। इसके पीछे उनकी सोच सिर्फ यह है कि वे चाहते है कि हर भारतीयों के मन और घरों में तिरंगा लहराए। यही भारतीयता और स्वतंत्र देश की पहचान का प्रतीक है। 70 वर्षीय पारस 8वीं पास है, लेकिन तिरंगे के प्रति लगाव उनको अलहदा और विशेष बनाता है। सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहने वाले पारस पटवा की बस स्टैंड पर टू व्हीलर ऑटो पार्ट्स की शॉप है। पारस पटवा जैसे सजग नागरिकों से ही हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता जैसे अभियान को बल मिलता है।

पारस का तिरंगे के प्रति अटूट प्यार और सम्मान- पारस से जब तिरंगे के प्रति लगाव के बारे में जाना तो उन्होंने बताया कि वे आठ वर्षों से लगातार तिरंगा ध्वज लगा रहे हैं। वे नहीं चाहते कि ये बात मीडिया में आये। आपकी सोच और कार्य से हजारों प्रेरित हो सकते हैं के विचार से वे बातचीत को तैयार हुए। पारस की एक और अच्छी और सच्ची बात यह है कि उन्होंने कभी भी तिरंगा फहराने और उतारने की फ़ोटो नहीं खींची। यही उनका तिरंगे के प्रति प्यार और सम्मान भी है। 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान को लेकर भी वो उत्साही है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा लगाने का अधिकार मिला है, इसमें सभी की सहभागिता बहुत जरूरी है। साथ ही हर घर स्वच्छता रखना हमारा कर्तव्य है। ऐसे अभियान नागरिकों के लिए बहुत आवश्यक है, जिनके पास समय नहीं रहता। वे लोग इस और आकर्षित होंगे।

शासकीय कार्यालयों में हेलमेट पहनकर आने लगे हैं अधिकारी-कर्मचारी

हेलमेट पहनकर आने वाले कर्मचारियों और अन्य वाहन चालकों का गुलाब की कलियों के साथ किया गया स्वागत

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा नो हेलमेट - नो पेट्रोल के संबंध में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश जिले में प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इस आदेश का उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू कर आमजन में ट्रैफिक अनुशासन को बढ़ावा देना है। इंदौर जिले में जीवन की सुरक्षा को देखते हुए हेलमेट की अनिवार्यता के संबंध में सकारात्मक वातावरण बनने लगा है। अनेक संस्थान हेलमेट की जागरूकता हेतु तेजी से आगे आ रहे है। हेलमेट पहनने वालों को वे अपने-अपने स्तर से प्रोत्साहित भी कर रहे है। जिले में समस्त कार्यालयों में दो पहिया से आने वाले अधिकारी-कर्मचारी भी हेलमेट पहनकर आने लगे हैं।

इसी सिलसिले में आज सोमवार को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के संबंध में इंदौर विकास प्राधिकरण की अनूठी पहल की गई। हेलमेट पहनकर आने वाले कर्मचारियों और अन्य वाहन चालकों का इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा गुलाब की कलियों के साथ स्वागत किया गया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले के समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि हेलमेट लगाने के संबंध में जारी निर्देशों और प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाये। सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी इसका पालन अनिवार्य रूप से करें। इस संबंध में यह सुनिश्चित किया जाये कि कार्यालय में दो पहिया वाहनों से आने वाले सभी अधिकारी/कर्मचारी हेलमेट पहन कर ही आयें।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नवागत आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने निगम मुख्यालय में ग्रहण किया पदभार

उज्जैन। मंगलवार को नवागत नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन करने के उपरांत नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया गया इस दौरान अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, श्री संदीप शिवा, श्री पुनीत शुक्ला, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री मनोज मौर्य, श्री संजेश गुप्ता द्वारा निगम आयुक्त का पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए स्वागत किया गया।

पदभार ग्रहण करने के पश्चात निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा निगम मुख्यालय में अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि उज्जैन शहर धार्मिक शहर होने के साथ-साथ मुख्यमंत्री जी का गृह नगर है नगर निगम से संबंधित समस्त निर्माण एवं विकास कार्य समय पर पूर्ण करना ही प्राथमिकता होना चाहिए, शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे एवं सिंहस्थ के कार्य उच्च गुणवत्ता से समय पूर्व किए जाए यही हम सभी का दायित्व एवं जिम्मेदारी होना चाहिए, इसी के साथ उज्जैन शहर स्वच्छता सर्वेक्षण अंतर्गत सुपर स्वच्छता लीग में 3 से 10 लाख की आबादी में प्रथम आया है हमें स्वच्छता का यह तमगा निरंतर बनाए रखना है इसलिए शहर की स्वच्छता का भी ध्यान रखना होगा ताकि उज्जैन शहर के नागरिकों एवं यहां आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छता का अनुभव हो सके।

इस दौरान अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, संदीप शिवा, पुनीत शुक्ला, उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, मनोज मौर्य, संजेश गुप्ता, अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता, कार्यपालन यंत्री पीसी यादव, सहायक आयुक्त प्रदीप सेन, जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार उपस्थित रहे।

कवि ऋणात्मकता में भी सकारात्मकता खोज लेता है-डॉ. वंदना मुकेश

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर काव्यांजलि आयोजित की गई

उज्जैन। मौन ही भावना की भाषा होती है मगर कवि अपनी कल्पना और विशिष्ट शैली से जीवन के रंगों को समाज के सामने अपनी रचनाओं से व्यक्त करता है। यह कवि ही है जो ऋणात्मकता में भी सकारात्मकता खोज लेता है।

ये विचार राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर साहित्यिक संस्था गजलान्जलि द्वारा आयोजित काव्यांजलि में बर्मिंघम, इंग्लैंड से पधारी साहित्यकार और कवयित्री डॉ. वंदना मुकेश ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। आपने कहा कि उज्जैन मेरी शिक्षा भूमि रही है और आप सभी को सुनना मेरा सौभाग्य है। काव्यांजलि के सारस्वत अतिथि प्रो. गोपाल शर्मा, विशेष अतिथि प्रो. शिव चौरसिया, विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रीकृष्ण जोशी और अध्यक्षता प्रो. हरिमोहन बुधौलिया ने की।

काव्यांजलि में डॉ. अखिलेश चौरे अखिल ने 'कठिन पहेली बन जाती है कभी कभी, हमें जिन्दगी भटकाती है कभी कभी, आशीष श्रीवास्तव अश्क ने 'हमारा भी दिल होता पत्थर के जैसा, तेरे इश्क ने ही बचाया बहुत है, प्रफुल्ल शुक्ल ने' दूर देश में वह बैठा है, अपना खर्च चलाने को, बड़ी पढ़ाई करके भागा, बेटा बहुत कमाने को पढ़कर तालियाँ पाई। शायर आरिफ अफजल खान ने 'हम सच्चा संत, सच्चा फकीर ढूंढते हैं, रसखान ढूंढते हैं कबीर ढूंढते है', दिलीप जैन ने 'टूटता है ख्वाब कोई आईने सा, हर किरण में मैं अपना बिम्ब पाता हूँ', और शायर अशोक रक्ताले ने 'भीगे भीगे दिन हुए सीली सीली रात, डोल रही उन्मुक्त सी सावन सी बरसात' पढ़कर प्रशंसा पाई।

आरबीएल बैंक ने आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज को भेंट की एम्बुलेंस

उज्जैन। आरबीएल बैंक ने अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए एक सुसज्जित एम्बुलेंस उज्जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज को भेंट की। यह एम्बुलेंस आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एम्बुलेंस हैंडओवर समारोह में नगर निगम की सभापति कलावती यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मिलिंद शिरालकर को एम्बुलेंस की चाबी आरबीएल बैंक के प्रदेश क्लस्टर हेड विवेक अग्रवाल एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वी.के. महाडिक की उपस्थिति में सौंपी गई।

देव कुमावत, अंगद मुछल बने 58वीं मध्य प्रदेश स्टेट जूनियर बेडमिंटन चैंपियंस

उज्जैन। देव कुमावत अंगद की जोड़ी ने भव्य पुरोहित, सूर्यप्रताप को सीधे सेट मे 21-15, 21-13 से हराकर सफलता अर्जित की। दूसरी और देव कुमावत ने एकल ग्रुप मे दूसरा स्थान हासिल किया। स्टेट चैंपियन जूनियर सीरीज बैडमिंटन स्पर्धा डबलल्स में फ़ाइनल जीत कर मप्र के देव कुमावत ने 19 वर्ष बालक एकल सेमीफाइनल में धार के अवध बिल्लोरे को 23-21, 21-16 को हराकर फ़ाइनल मे प्रवेश किया। देव कुमावत ने उज्जैन में हुई इस स्पर्धा में दो सफलता हासिल की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सभी खिलाड़ियों का सम्मान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मप्र पुलैला गोपीचंद उत्कृष्ट बैडमिंटन अकादमी, ग्वालियर मध्यप्रदेश के देव कुमावत विश्व जूनियर अंडर 19 मे 22वीं भारत 21वी रेंकिंग पर है। देव कुमावत ने यह प्रदेश स्तरीय छठी खिताब जीत हासिल की। देव कुमावत ने अपनी खिताबी सफलता पर खुशी जताई और बाबा महाँकाल का आशीर्वाद लिया। देव कुमावत खेल एवं युवा कल्याण विभाग मप्र शासन द्वारा ग्वालियर में संचालित मप्र बैडमिंटन अकादमी में खेलते हैं। देव कुमावत अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा दो बार सिल्वर एवं एक बार गोल्ड मैडल जीत चुके हैं। मप्र खेल संचालक राकेश गुप्ता, सहायक संचालक और प्रभारी ग्वालियर बैडमिंटन एकेडमी प्रदीप अस्टीया, खेल और युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बक्सला, एकेडमी प्रभारी हितेंद्रसिंह पाल, स्पर्धा के आयोजक उज्जैन बेडमिंटन, एसोशियन अध्यक्ष वैभव यादव ने देव कुमावत, अंगद मुछल को 58वीं मध्य प्रदेश स्टेट जूनियर बेडमिंटन चैंपियंस 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी।

विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद विक्रम विश्वविद्यालय ने व्यक्त किया माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रति आभार और बताया ऐतिहासिक उपलब्धि

उज्जैन । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जयिनी के आचार्य महर्षि सांदीपनि के गुरूकुल स्थान उज्जैन में स्थापित विक्रम विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान को सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय नामकरण करके पूरी कर दी ।विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद जैसे ही महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल की मुहर लगेगी वैसे ही इसकी पहचान वैश्विक हो जाएगी,इसके लिए भी माननीय मुख्यमंत्री ने योजनाओं पर कार्य शुरू कर दिया है ।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कार्यपरिषद सदस्य श्री राजेश सिंह कुशवाह और कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किए गए इस उल्लेखनीय कार्य को ऐतिहासिक बताते हुए मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल,समस्त विधायकों और विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए माननीय मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया हैं ।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 30 मार्च 2025 को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के 29 वें दीक्षांत समारोह में,जब उन्हें अपनी ही शिक्षा स्थली में मानद डी लिट् उपाधि से सम्मानित किया जा रहा था तो उन्होंने घोषणा की कि,यह विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय,सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के नाम से पहचाना जाएगा और इसके बाद तत्काल विक्रम विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्य श्री राजेश सिंह कुशवाह ने पहल करके आपातकालीन बैठक बुलवाकर कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज की अध्यक्षता में विक्रम विश्वविद्यालय का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय करने का प्रस्ताव पारित करके राज्य शासन को प्रेषित कर दिया । इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को पारित किया और 4 अगस्त 2025 को विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद अब विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन पहचान बन जाएगा ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 30 मार्च को दीक्षांत समारोह में अपने उद्बोधन कहा था कि यह दिन कई कारणों से हम सब के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उज्जैन नगरी सात पवित्रतम नगरियों में से एक है। हर कल्प में इसका विशेष महत्व रहा है।आज भारतीय नव वर्ष प्रतिपदा पर हम सब हर्षोल्लास के साथ गुड़ी पड़वा और चैटी चंड का पर्व मना रहे हैं। आज उज्जैन का गौरव दिवस भी है।विक्रम विश्व विघालय अब सम्राट विक्रमादित्य के नाम से जाना जाएगा।

उज्जैन अपनी प्राचीनता और समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। यह शिक्षा का एक प्राचीन केंद्र भी रहा है। इसलिए, स्वतंत्रता के बाद कई हस्तियों ने केंद्र सरकार से उज्जैन में एक विश्वविद्यालय स्थापित करने का आग्रह किया।

12 दिवसीय धार्मिक जल-कलश पदयात्रा उज्जैन से प्रस्थान

उज्जैन। विगत दो वर्षों से 12 दिवसीय धार्मिक जल-कलश पदयात्रा मोक्षदायिनी माँ क्षिप्रा के तट रामघाट से प्रारंभ हुई। यह पदयात्रा माँ क्षिप्रा, माँ नर्मदा और माता साडू जी की बावड़ी का पवित्र जल कलश में भरकर सनातन धर्म व विष्णु के अवतार भगवान श्री देवनारायण जी के प्रति आस्था को बढ़ावा देने हेतु निकाली जा रही है। धार्मिक यात्रा मध्यप्रदेश के प्रमुख शहर उन्हेल, नागदा, जावरा, दलोदा, मन्दसौर, पिपलियामण्डी, मल्हारगढ़, नीमच, नयागाँव होते हुए राजस्थान के निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, मांडल, तहसील आसींद में विश्वविख्यात अन्तर्राष्ट्रीय तीर्थ मालासेरी डुंगरी पर बाल स्वरूप विष्णु के अवतार भगवान श्री देवनारायण जी का महाजलाभिषेक के साथ पदयात्रा का समापन होगा। उक्त जानकारी देते हुए यात्रा संयोजक एवं देव भक्त लाखनसिंह लोहागढ़, उज्जैन ने बताया कि यात्रा में मालासेरी डुंगरी के मुख्य पुजारी हेमराज जी पोसवाल, संत श्री 1008 मंगलदास जी महाराज, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष रघुवीरसिंह जी पटेल सहित हजारों की संख्या में देवभक्त यात्रा में सम्मिलित हुए हैं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com